लिंग ⇒ पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान -

नियम - सभी देश के नाम पुल्लिंग होते है।

अपवाद - श्रीलंका = स्त्रीलिंग

नियम - सभी भाषा, लिपि, बोली, उपबोली के नाम स्त्रीलिंग होते है।

अपवाद - ×××

नियम - सभी नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते है।

अपवाद - सिन्धु, ब्रह्मपुत्र, शोण (सोन) नदी को छोड़कर (पुल्लिंग)

लिंग

शब्द के जिस रूप से पुरुष या स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

लिंग के प्रकार

(नपुंसकलिंग का प्रयोग केवल संस्कृत में)

हिंदी में लिंग दो प्रकार के होते हैं।

1. **पुल्लिंग:** शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे- छात्र, चाचा, बूढ़ा, नौकर, शेर, बंदर तोता, बंदर आदि।
2. **स्त्रीलिंग:** शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे- छात्रा, चाची, बुढ़िया, नौकरानी, घास, खिड़की आदि।

पुल्लिंग की पहचान

1. जिन शब्दों का अंत 'अ' से होता है, वे अधिकतर पुल्लिंग होते हैं जैसे- शेर, फल, भवन, घर आदि।
2. जिन शब्दों के अंत में खाना, दान, वाला, एरा, आव, आ, पन, त्व आदि आता है, वे पुल्लिंग होते हैं।
3. व्यवसाय सूचक शब्दों के नाम पुल्लिंग होते हैं जैसे- राज्यपाल, सैनिक, दुकानदार, व्यापारी, शिक्षक, नाटककार, कथाकार, डॉक्टर आदि।
4. वर्णमाला के अक्षर पुल्लिंग होते हैं जैसे- अ, आ, क, ख, ग, घ आदि (इ, ई, ऋ स्त्रीलिंग)
5. निम्नलिखित वर्ग के नाम प्रायः पुल्लिंग होते हैं-

स्त्रीलिंग ⇒ त्वचा, भुजा, बाँह, कोहनी, कलाई, हथेली, अंगुली, कमर

- **अंग-** बाल, मुँह, कान, सिर, हाथ, पैर (आँख, नाक स्त्रीलिंग) आँख, नाक, हथेली, चोटी
- **महीने-** आषाढ़ श्रावण, भाद्रपद, कार्तिक, मार्गशीष, पौष, वैशाख, ज्येष्ठ आदि (अंग्रेजी महीनों में जनवरी, फरवरी, मई, जुलाई अपवाद हैं) स्त्रीलिंग
- **धातु-** सोना, ताँबा, लोहा, पीतल (चाँदी स्त्रीलिंग)
- **अनाज-** चावल, बाजरा, गेहूँ, मूंग (अरहर, ज्वार स्त्रीलिंग) मूंगफली, मक्की
- **समुद्र-** प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, अरब सागर, लाल सागर, भूमध्य सागर, अंध महासागर आदि।

- **पर्वत**- कैलाश, विंध्याचल, अरावली, सतपुड़ा, हिमालय।
- **स्थान**- वाचनालय, विद्यालय, पुस्तकालय, न्यायालय, चिकित्सालय, मंत्रालय, शयनगृह आदि।
- **द्रव्य**- घी, पानी, डीजल, तेल आदि।

  चाय, कॉफी, लस्सी, दाल, शराब, दारू, स्याही = स्त्रीलिंग
- **रत्न**- नीलम, पुखराज, हीरा, मोती, मूंगा, पन्ना।
- **वार**- सोमवार, मंगलवार, बुधवार, वीरवार, शुक्रवार, शनिवार तथा रविवार।
- **ग्रह**- शनि, चंद्र ध्रुव, बृहस्पति, रवि, मंगल, सूर्य

  पृथ्वी = स्त्रीलिंग

ई अन्त वाले केवल ये शब्द पुल्लिंग होते हैं -

मोती, पानी, घी, दही, हाथी ⇒ पुल्लिंग

स्त्रीलिंग की पहचान

1. संस्कृत की आकारांत, उकारांत और इकारांत संज्ञाएँ स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे- माला, वायु, शक्ति आदि।
2. जिन शब्दों के अंत में आवट, आहट, ता, आई, इया, नी, इमा, री, आस आदि आता है वे स्त्रीलिंग होते हैं।
3. निम्नलिखित वर्ग के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं-

- **लिपि-** देवनागरी, गुरुमुखी, रोमन।
- **भाषा-** हिंदी, संस्कृत, मराठी, बंगला, तमिल, जर्मन, मलयालम, फारसी, गुजराती।

- **तिथि-** प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, एकादशी, त्रयोदशी, पूर्णिमा, प्रतिपदा, अमावस्या।
- **प्राणी-** मैना, मछली, चील, छिपकली, गिलहरी, कोयल आदि। इनके साथ आगे नर जोड़ने पर ये पुल्लिंग बनती हैं।

  मच्छर – मादा मच्छर
  खरगोश – मादा खरगोश
- **भोजन-** जलेबी, पूरी, सब्जी, रोटी।
- **अंग-** आँख, नाक, ठोड़ी, छाती, जीभ, पसली, एड़ी, पिंडली, पलक, कमर, जीभ। , त्वचा, भुजा, बाँह, कोहनी, कलाई, हथेली, उंगली = स्त्रीलिंग

लिंग परिवर्तन

'अ' को 'आ' (ा) बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
छात्र	छात्रा
बालक	बालिका
कृष्ण	कृष्णा
कांत	कांता
वृद्ध	वृद्धा
चंचल	चंचला

बाला

अ आ

‘अ’ को ‘ई’ (ी) बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पुत्र	पुत्री
कबूतर	कबूतरी
शूकर	शूकरी
डाल	डाली
हिरन	हिरनी
नर	नारी
रस्सा	रस्सी
तरुण	तरुणी

‘आ’ को ‘ई’ बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मौसा	मौसी
लड़का	लड़की
नाना	नानी
घोड़ा	घोड़ी
मुर्गा	मुर्गी
ब्राह्मण	ब्राह्मणी

ई

‘आ’ को ‘इया’ बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
चिड़ा	चिड़िया
बुढ़ा	बुढ़िया
चूहा	चूहिया
गुड्डा	गुड़िया
डिब्बा	डिबिया
खाट	खटिया

'अक' को 'इका' बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नायक	नायिका
लेखक	लेखिका
पाठक	पाठिका
सेवक	सेविका
पालक	पालिका
अध्यापक	अध्यापिका

‘अंत’ में ‘आनी’ लगाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सेठ	सेठानी
नौकर	नौकरानी
जेठ	जेठानी
इंद्र	इंद्राणी
देवर	देवरानी
क्षत्रिय	क्षत्राणी

आनी

‘अंत’ में ‘नी’ लगाकर–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
चोर	चोरनी
शेर	शेरनी
हाथी	हथिनी
भील	भीलनी
सिंह	सिंहनी
सियार	सियारनी

‘वान’ को ‘वती’ बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
गुणवान	गुणवती
बलवान	बलवती
भाग्यवान	भाग्यवती
पुत्रवान	पुत्रवती
भगवान	भगवती
सत्यवान	सत्यवती

‘मान’ को ‘मती’ बनाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
श्रीमान्	श्रीमती
धीमान	धीमती
बुद्धिमान	बुद्धिमती
आयुष्मान	आयुष्मती

मान

मती

मत्, मत् = नपुंसकलिंग

‘अंत’ में ‘इन’ लगाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ग्वाला	ग्वालिन
सुनार	सुनारिन
जुलाहा	जुलाहिन
तेली	तेलिन
कहार	कहारिन
नाई	नाइन

इन

‘अंत’ में ‘आइन’ लगाकर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बाबू	बबुआइन
बनिया	बनियाइन
ठाकुर	ठकुराइन
पंडित	पंडिताइन
लाला	लालाइन
हलवाई	हलवाइन

आइन

'मादा' और 'नर' जोड़कर-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नर कोयल	[redacted] कोयल
नर गिलहरी	गिलहरी
खरगोश	मादा खरगोश
भालू	मादा भालू
चीता	मादा चीता
नर तितली	तितली

कोयल, गिलहरी, तितली = स्त्रीलिंग

खरगोश, भालू, चीता, बन्दर = पुल्लिंग

कुछ अन्य पुल्लिंग-स्त्रीलिंग शब्द

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
राजा	रानी
बैल	गाय
ताऊ	ताई
पिता	माता
पुरुष	स्त्री
दादा	दादी
वीर	वीरांगना
मर्द	औरत
साधु	साध्वी
दूल्हा	दुल्हन

HINDI BY ARUN SIR

4 TOPIC की प्रैक्टिस

संधि, तत्सम, तद्भव, लिंग

उभय लिंगी शब्द-

हिंदी के कुछ ऐसे शब्द हैं, जो पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग दोनों में प्रयुक्त होते हैं। इनमें से कुछेक का अर्थ के अनुसार लिंग बदल जाता है। अतः वाक्य में वे जिस अर्थ में प्रयुक्त किए जाते हैं, उसके अनुरूप उनका लिंग-निर्धारण होता है।

'उभयलिंगी' एक व्यापारिक शब्द है जिसका अर्थ होता है कि वह शब्द पुल्लिंग (Masculine) और स्त्रीलिंग (Feminine) दोनों लिंगों में प्रयोग हो सकता है। इसका उपयोग जब शब्द का लिंग स्थिति, अवस्था या जाति के कारण निर्धारित नहीं किया जा सकता है, तब किया जाता है।

उभयलिंगी के उदाहरण:

- 'यह प्रोफेसर समय पर अपने कार्यों को पूरा करता है।' - यहाँ प्रोफेसर शब्द उभयलिंगी है क्योंकि इसका लिंग पुल्लिंग या स्त्रीलिंग में निर्धारित नहीं होता है।
- 'यह छात्र ने अपनी पढ़ाई में मेहनत की।' - छात्र शब्द भी उभयलिंगी है क्योंकि इसका लिंग यहाँ पर पुल्लिंग या स्त्रीलिंग में निर्धारित नहीं होता है।
- 'यह गांव विकसित हो रहा है क्योंकि लोग सहयोग कर रहे हैं।' - गांव शब्द भी यहाँ उभयलिंगी है, क्योंकि इसका लिंग यहाँ पर पुल्लिंग या स्त्रीलिंग में निर्धारित नहीं होता है।